आवासीयछात्रावास

सफलता की कहानी

आवासीय छात्राचास dza- 04

छात्रावास की सफलता की कहानी

आवासीय छात्रावास गंज क्रं.–04 की स्थापना अक्टूबर 2012 में हुई थी। शुरूवात में छात्रावास में बच्चों की संख्या बहुत कम थी। संख्या बढ़ाने के लिये यह पर मिलने वाली सुविधाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया। इसके फलस्वरूप 2015–16 में इस छात्रावास में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की हैं। वर्तमान में इस आवासीय छात्रावास की दर्ज संख्या 102 हैं। छात्रावास की सफलता के मुख्य बिन्दु निम्नानुसार हैं :–

- **भौतिक संसाधन :–** छात्रावास में यह रह रहे बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की आवश्यकता की सामाग्री उपलब्ध राई गई है। बच्चों के खेलने हेतु सामाग्री, मच्छरदानी तथा मनोरंजन के अन्य साधन उपलब्ध कराये गये हैं।

- **शैक्षणिक वातावरण :–** बच्चों को अच्छा शैक्षणिक वातावरण मिल सके इसका हर संभव प्रयास छात्रावास के अनुदेशको द्वारा किया जाता हैं। बच्चो के पढ़ाई लिखाई हेतु समय सारिणी निश्चित की गई हैं।

- **नैतिक मूल्यो का ज्ञान :–** बच्चों में अच्छी आदतों का विकास ही इसके लिए उन्हे नैतिक शिक्षा के माध्यम से उनके जीवन के लिए क्या अच्छा क्या बुरा भी का ज्ञान कराया जाता हैं। बच्चो के आचरण अनुशासन में बदलाव हेतु नैतिक शिक्षा प्रदान की जाती हैं।

  इस छात्रावास के बहुत से छात्रा नशे के आदि थें। मैने लगातार इस बच्चों तथा उनके पालको से लगातार बात की, इन बच्चों के नशे की लत छुड़ाने में सफलता प्राप्त की आज की स्थिति में छात्रावास का कोई भी बच्चा नशा नही करता हैं।

- **सांस्कृतिक एंव अन्य गतिविधियां :–** छात्रावास के बच्चों को उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न सांस्कृतिक एंव अन्य गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता हैं। इस संबंध में समय – समय पर उन्हे संबंधित व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था भी की जाती हैं। इस छात्रावास के बच्चो ने 2015 में आशायें नामक **NGO** संस्था द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम एंव द्वितीय स्थान प्राप्त कर इस छात्रावास का गौरव बढ़ाया हैं।

  छात्रावास विशेषकर ऐसे बच्चो के लिये बनाया गया है जो गरीबी रेखा के नीचे अनाथ, हैं। छात्रावास में ऐसे बच्चों का दाखिला प्राथमिकता के आधार पर किया गया हैं। बच्चों को सुरूचीपूर्ण पौष्टिक एंव स्वादिष्ट भोजन कराया जाता हैं। छात्रावास का वातावरण अच्छा हैं, और बच्चे एंव कर्मचारी अनुशासन में रहते हैं।

- **<u>नशे की आदत :–</u>** छात्रावास में कुछ बच्चे ऐसे थे जिन्हे विभिन्न प्रकार के नशा करने की लत पड़ चुकी थी। उनसे लगातार बात कर तथा समझाकर की नशा करने से शरीर तथा अन्य बातों पर क्या प्रभाव पडता हैं। लगातार उन्हे नशा छोड़ने के लिये प्रेरित किया गया आज ये बच्चे नशे से पूरी तरह मुक्त हैं। जो नशा छोड़ने वाले छात्र निम्नानुसार हैं :–

<u>1. अमित नायक :–</u> यह सिलोशन का नशा करने का आदि था। मैने लगातार इससे चर्चा कर इसे नशा छोड़ने के लिये प्रेरित किया गया, तथा इसमें सफलता भी पाई गई। इस बालक को डांस में रूचि थी। इसे इसमें सफलता भी मिली। एक (नित्य) प्रतियोगिता में इसने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

<u>2. कौशल नायक :–</u> यह भी सिगरेट, बीडी, आदि हानिकारक चीजो का सेवन करता था। इसे भी नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया, तथा लगातार चर्चा कर नशा छोड़ने के लिये प्रेरित किया गया। आज यह बालक नशे से पूर्णतः मुक्त हैं।

<u>3. गोपी कुमार :–</u> इसे बीड़ी, सिगरेट, तम्बाखू आदि के नशे की आदत थी। अब यह आदतों से मुक्त हैं।

<u>4. अभिषेक कुम्हार :–</u> यह भी नशे की लत का आदि था। इसे भी नशा छोड़ने के लिये लगातार समझाया गया तथा इसमें सफलता भी मिली।

- **<u>बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण :–</u>** समय – समय पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण छात्रावास में अथवा शिविर में ले जाकर कराया जाता हैं। छात्रावास के बच्चो को उनके अच्छे स्वास्थ्य तथा मनोरंजन के लिये खेल सामग्रियां उपलब्ध कराई गई हैं।

- **<u>आकाश कमियारी :–</u>** कक्षा पांचवी में पढने वाले यह छात्र बहुत ही अच्छी ड्राईंग करता हैं। इसकी रूचि को देखते हुए इसे हर प्रकार की सुविधा दी गई हैं। ताकि यह इस क्षेत्र में अच्छा कर सके इसकी बनाई गई ड्राईंग को छात्रावास में बनाया गया हैं। प्रथम, ईन्दर, लोकेश, राठौर आदि छात्रों को भी ड्राईंग आदि में रूचि हैं। ये छात्र भी बहुत ही अच्छी ड्राईंग बनाते हैं।

- **<u>खेल गतिविधियां :–</u>** छात्रावास के बच्चों के शारीरिक विकास के किये खेल गतिविधियां कराई जाती हैं। बच्चो को फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिन्टन, आदि खेल खिलाएं जाते हैं।

कौशल नायक :– कौशल जब छात्रावास में आया था, तब यह गांजे एंव सिगरेट के नशे का आदि था। इसे भी नशे से मुक्त करने में सफलता मिली हैं। अब यह किसी भी प्रकार का नशा नही करता हैं।

गोपी खरे :– छात्रावास में रहते हुए इसने भी अपने नशे की लत छोड़ने में सफलता प्राप्त की हैं। ऐसे छात्र जिन्होने छात्रावास में रहते हुए नशे की लत को छोड़ने में सफलता पाई, उनके नाम तथा फोटो निम्न हैं।

अभिषेक कुमार :– यह छात्र बीड़ी सिगरेट तम्बाखू आदि का नशा करता था। इसे लगातार नशा छोड़ने के लिये प्रेरित किया गया। अब यह किसी भी प्रकार का नशा नही करता हैं।

सूरज यादव :– आठवीं कक्षा में पढ़ने वाला सूरज यादव गांजा पीने का आदि था। इसे लगातार नशे से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया गया। इससे बार इसे नशा छोड़ने के लिये प्रेरित किया गया। जो अब तक नशा नही करता हैं।

(6)

छात्रावास में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

26 जनवरी गणवंत्र दिवस के अवसर पर छात्रावास के बच्चे अपनी प्रस्तुति देते हुए। बच्चों ने देशभक्ती के गानों पर नृत्य की प्रस्तुती हैं।

ऐसे बच्चे जिन्हे ड्राईंग पेन्टिंग आदि में रूचि हैं, उन्हे छात्रावास में रूचि के अनुसार कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता हैं। एंव उन्हे सामाग्रियां उपलब्ध कराई जाते हैं।

टीप :– ऐसे बच्चो जो पूर्व में नशे का आदि थे, तथा जिन्हे नशा छोड़ने के लिए लगातार प्रेरित किया गया तथा सफलता पाई गई उनकी फोटो नाम सहित प्रस्तुत हैं।